DPS049 CT The Saviour Was Born Today

ने के त्राम्य स्थानिक स्थानिक

Kyu Chog Pentatonic Mode on E

Em देन्द्रेट:श्रुचश्रश्रम्बर्ग्ययाप्त्र्वाच्याः D A Bm श्रुचश्रश्रम्बर्ग्यः भेनुः दाषुट्शः श्रेटः। देनादः चः या Bm Em दनादः चः या श्रुदः या श्रुदे या

Em
नेदायोद्गेशपुरप्रमुद्दशर्शेदा द्वादायाया

D A Bm
इप्तेष्टप्रायाद्वावायाद्वा श्चेदायाया

Bm Em
द्वादायाया श्चेदायाया

त्रमार न्या क्षेत्र संस्था न्याय न्याय स्थार स्थाय न्याय न्याय स्थाय स्

न्तरम्या श्चित्रयाया भूत्रस्यात्रस्यात्रस्य स्त्रीत्। स्त्रीत्रयाया भूत्रस्य स्तर्भात्रस्य स्त्रीत्। स्त्रीत्रयाया

यन्त्रस्य भीत्रम्य मुद्रम्य स्वाप्त स्व

न्तरम्या श्चित्रया समस्यस्य मेशेर्य्य स्त्रियः स्त्रित्यः स्तित्यः स्त्रित्यः स्त्रित्यः स्त

द्यायः मा भीत्राया। व इत्रायतः भीत्रायाः स्वायः स्वायः

English Translation

Today the Saviour was born. The Saviour Jesus was born. O what joy! O what happiness!

Born in Bethlehem.
Born in a stable.
O what joy! O what happiness!

Shepherds saw the angels. They told them joyful news. O what joy! O what happiness!

A star rose in the east.
The star showed the way.
O what joy! O what happiness!

The shepherds came from the fields. The shepherds came singing praises. O what joy! O what happiness!

Wise men came from the east. The wise men offered gold and silver. O what joy! O what happiness!

The sky was filled with angels.
The angels sang a song of praise.
O what joy! O what happiness!

A joyful day has dawned.
A sweet song is sung.
O what joy! O what happiness!